SHIKSHA SAMVAD
International Open Access Peer-Reviewed & Refereed
Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
Volume-1, Issue-4, June- 2024
www.shikshasamvad.com

"उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित वर्ग व अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन"

अंशिका
शोधार्थिनी
वर्धमान कॉलेज, बिजनौर।

डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार
प्रोफेसर
वर्धमान कॉलेज,
बिजनौर।

सारांश

उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित वर्ग और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के अध्ययन से कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकलते हैं जो शैक्षणिक नीतियों, सामाजिक न्याय और व्यक्तिगत विकास के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास स्तर अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों की तुलना में कम हो सकता है। यह असमानता समाज में व्याप्त आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विभाजन को दर्शाती है। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास पर उनके सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थी अक्सर कमजोर सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास प्रभावित होता है। शैक्षणिक संसाधनों और अवसरों की कमी भी आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को प्रभावित करती है। वहीं, अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन और अवसर मिलते हैं, जो उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हैं। समाज में भेदभाव और पूर्वाग्रह का सामना करने से आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में कमी हो सकती है। अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को अधिक सामाजिक स्वीकृति और समर्थन मिलता है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। आत्मविश्वास का स्तर विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है। आत्मविश्वास से भरपूर विद्यार्थी बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन करते हैं और कठिनाइयों का सामना करने में सक्षम होते हैं। आत्मविश्वास के अध्ययन से यह पता चलता है कि आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक समर्थन की अधिक आवश्यकता होती है। इसके लिए विशेष परामर्श सेवाओं और सहायक कार्यक्रमों का विकास आवश्यक है। उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन यह दर्शाता है कि आत्मविश्वास केवल व्यक्तिगत विशेषता नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक कारकों से गहरे रूप से जुड़ा हुआ है। एक समावेशी और न्यायसंगत शिक्षा

प्रणाली के माध्यम से, हम सभी विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान कर सकते हैं और उनके आत्मविश्वास को मजबूत कर सकते हैं, जिससे वे अपने भविष्य के लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकें। शोध अध्ययन के निष्कर्ष – आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास में सार्थक अन्तर पाया गया, आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं के आत्मविश्वास में सार्थक अन्तर पाया गया।

मुख्य शब्दः– उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थी, आरक्षित वर्ग व अनारक्षित वर्ग, संवेगात्मक बुद्धि

1. प्रस्तावना

उच्च माध्यमिक शिक्षा जीवन का महत्वपूर्ण चरण होता है, जिसमें विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सामाजिक और व्यक्तिगत विकास की नींव रखी जाती है। आत्मविश्वास, इस विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है, जो विद्यार्थी के शैक्षणिक प्रदर्शन, व्यक्तिगत विकास और समाज में उसकी भूमिका को प्रभावित करता है। इस निबन्ध में, हम आरक्षित वर्ग और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेंगे।

''आरक्षित वर्ग और अनारक्षित वर्ग का परिचय''

आरक्षित वर्ग उन विद्यार्थियों का समूह होता है जिन्हें समाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से पिछड़ा माना जाता है और उन्हें सरकारी नीति के तहत शिक्षा और रोजगार में आरक्षण दिया जाता है। इसमें अनुसूचित जाति (ैब), अनुसूचित जनजाति (ैज) और अन्य पिछड़ा वर्ग (व्ठब) शामिल होते हैं। अनारक्षित वर्ग वे विद्यार्थी होते हैं जिन्हें कोई आरक्षण सुविधा नहीं मिलती।

''आत्मविश्वास का महत्व''

आत्मविश्वास, व्यक्ति के स्वयं के प्रति विश्वास और क्षमता में आस्था को संदर्भित करता है। यह विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करने, नए कौशल सीखने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने में सहायता करता है। उच्च माध्यमिक स्तर पर आत्मविश्वास का होना विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यह भविष्य के शैक्षणिक और करियर विकल्पों को प्रभावित करता है।

''आत्मविश्वास के घटक''

आत्मविश्वास के कुछ प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं :

1. ''स्वयं की क्षमता पर विश्वास'' : विद्यार्थी को यह विश्वास होना चाहिए कि वह कठिनाइयों का सामना कर सकता है और सफल हो सकता है।
2. ''सामाजिक स्वीकार्यता'' : साथियों और शिक्षकों से प्राप्त समर्थन और मान्यता आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं।
3. ''शैक्षणिक उपलब्धियाँ'' : अच्छे शैक्षणिक प्रदर्शन से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।
4. ''परिवार और समाज का समर्थन'' : परिवार और समाज के सकारात्मक दृष्टिकोण और समर्थन से आत्मविश्वास को मजबूती मिलती है।

आरक्षित वर्ग के विद्यार्थी अक्सर कमजोर सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वहीं, अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थी अपेक्षाकृत मजबूत सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जो उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देती है। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक संसाधनों और अवसरों की कमी का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनके आत्मविश्वास पर प्रभाव पड़ता है। जबकि अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक संसाधन और अवसर मिलते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास मजबूत होता है। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को अक्सर समाज में भेदभाव और पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ता है, जिससे उनका आत्मविश्वास घट सकता है। दूसरी ओर, अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को समाज में अधिक स्वीकृति और समर्थन मिलता है, जो उनके आत्मविश्वास को बढ़ाता है। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को शैक्षणिक क्षेत्र में कम आत्मविश्वास हो सकता है यदि उन्हें प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं और पाठ्यक्रमों में संघर्ष का सामना करना पड़ता है। वहीं, अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों में आमतौर पर अधिक आत्मविश्वास देखा जाता है, जो उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में परिलक्षित होता है।

आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि आत्मविश्वास एक जटिल और बहुआयामी गुण है जो विभिन्न कारकों से प्रभावित होता है। यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा प्रणाली और समाज दोनों ही विद्यार्थियों को समान अवसर और समर्थन प्रदान करें ताकि सभी विद्यार्थी आत्मविश्वास से भरपूर होकर अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए उचित मार्गदर्शन, सकारात्मक सामाजिक वातावरण, और सहायक शैक्षणिक संसाधनों की आवश्यकता होती है। इस प्रकार, आत्मविश्वास के विकास में व्यक्तिगत, शैक्षणिक और सामाजिक कारकों का सामंजस्यपूर्ण योगदान आवश्यक है।

2. शोध अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

उच्च माध्यमिक शिक्षा का स्तर विद्यार्थियों के जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ होता है। यह वह समय होता है जब विद्यार्थी अपने भविष्य की दिशा तय करते हैं और शैक्षणिक व करियर संबंधी निर्णय लेते हैं। इस स्तर पर आत्मविश्वास की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है क्योंकि यह उनके निर्णय लेने की क्षमता, शैक्षणिक प्रदर्शन, और व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करता है। आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के अध्ययन की आवश्यकता और महत्व को समझना वर्तमान शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आरक्षित वर्ग और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के बीच के अंतर को समझने से हमें समाज में व्याप्त असमानताओं और उनके प्रभावों को समझने में मदद मिलती है। इससे सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में नीतियों को बनाने में सहायता मिलती है। आत्मविश्वास के अध्ययन से यह पता चल सकता है कि वर्तमान शैक्षणिक नीतियाँ और कार्यक्रम कितने प्रभावी हैं। यदि आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास कम है, तो यह संकेत देता है कि नीतियों में सुधार की आवश्यकता है। विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन करके, स्कूल और शैक्षणिक संस्थान उनके मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक समर्थन की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनके लिए उपयुक्त सलाह और समर्थन प्रदान कर सकते हैं। आत्मविश्वास केवल शैक्षणिक सफलता के लिए ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है।

आत्मविश्वास के अध्ययन से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि विद्यार्थी किस प्रकार से शैक्षणिक, सामाजिक और व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करते हैं।

आत्मविश्वास का उच्च स्तर विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करने, नए कौशल सीखने और शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। आत्मविश्वास का अध्ययन शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के तरीकों की पहचान करने में सहायक होता है। आत्मविश्वास के अध्ययन से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सभी विद्यार्थियों को समान अवसर मिलें, चाहे वे किसी भी सामाजिक वर्ग से संबंधित हों। यह सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आत्मविश्वास का अध्ययन विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह उन्हें आत्म–साक्षात्कार, निर्णय लेने की क्षमता, और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने में मदद करता है। आत्मविश्वास के अध्ययन के परिणाम शैक्षणिक और सामाजिक नीतियों के निर्माण में सहायक होते हैं। इससे सरकार और शैक्षणिक संस्थानों को विद्यार्थियों की वास्तविक जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने में मदद मिलती है। आत्मविश्वास का उच्च स्तर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को भी प्रभावित करता है। अध्ययन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान और उनके समाधान में सहायता मिलती है।

उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास के अध्ययन की आवश्यकता और महत्व स्पष्ट है। यह न केवल शैक्षणिक प्रदर्शन और व्यक्तिगत विकास को प्रभावित करता है बल्कि समाज में समानता और न्याय को भी बढ़ावा देता है। इस प्रकार के अध्ययन से प्राप्त जानकारी का उपयोग करके, हम एक अधिक न्यायसंगत और समावेशी शैक्षणिक वातावरण का निर्माण कर सकते हैं, जो सभी विद्यार्थियों को उनके पूर्ण क्षमता तक पहुँचने में सहायता प्रदान करता है।

3. सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

- **वाह्युनिंगसिह, एसके (2018)** पाया गया कि समूहों में एसटीएस की व्यवस्था छात्र और छात्र, छात्र और शिक्षक, छात्र और सीखने की सामग्री और पर्यावरण के बीच कक्षा के कमरे की बातचीत के लिए अनुकूल है। यह कनेक्टिविटी शिक्षार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ा सकती है।
- **जावेद (2020)** ने छात्रों का आत्मविश्वास और उनकी सीखने की प्रक्रिया पर इसका प्रभाव पर अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य छात्रों के आत्मविश्वास को मापना था और कंधार विश्वविद्यालय में उनकी सीखने की प्रक्रिया पर इसके प्रभावों का पता लगाना था।
- **रुककुमन (2020)** ने स्कूल के माहौल में छात्रों के आत्मविश्वास पर एक अध्ययन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य छात्रों के आत्मविश्वास को मापना था और तमिलनाडु में सरकारी स्कूल के छात्रों में उनकी सीखने की प्रक्रिया पर इसके प्रभावों को खोजना था।
- **रफीक (2021)** ने छात्रों के बीच आत्मविश्वास और उनके अकादमिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव : एक व्यवस्थित समीक्षा पर अध्ययन किया। आत्मविश्वास मन की एक ऐसी स्थिति को संदर्भित करता है

जो लोगों को स्वयं और उनके मामलों के बारे में रचनात्मक और समझदार होने की अनुमति देता है।

- **अशोक (2022)** ने उच्च और निम्न उपलब्धि प्राप्त करने वाले स्कूली छात्रों के बीच आत्मविश्वास के स्तर का एक अध्ययन किया। वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य स्कूली छात्रों के आत्मविश्वास के स्तर का अध्ययन करना है।

4. समस्या कथन

उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित वर्ग व अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन।

5. शोध अध्ययन के उद्देश्य

1. आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं के आत्मविश्वास का अध्ययन करना।

6. शोध अध्ययन की परिकल्पना

1. आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
2. आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

7. आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत लघु शोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए आरक्षित वर्ग व अनारक्षित वर्ग के उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

8. न्यादर्श

वर्तमान लघु शोध हेतु 200 विद्यार्थियों को शामिल किया गया है।

9. उपकरण

आत्मविश्वास मापनी – डॉ0 रेखा गुप्ता द्वारा निर्मित प्रश्नावली।

10. परिकल्पनाओं का विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना क्रमांक 1 :– आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका संख्या – 1

आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

छात्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
आरक्षित वर्ग	**50**	27.54	6.10	1.718	***
अनारक्षित वर्ग	**50**	28.09	6.82		

व्याख्या – तालिका संख्या 1 में आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास को दर्शाया गया है। तालिका में आरक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास का मध्यमान, मानक विचलन 27.54 एवं 6.10 प्राप्त हुआ है जबकि अनारक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास का मध्यमान, मानक विचलन क्रमशः 28.09 एवं 6.82 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 1.718 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या – 2

आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं के आत्मविश्वास का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का विश्लेषण एवं व्याख्या

छात्राऐं	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात	सार्थकता स्तर
आरक्षित वर्ग	50	27.92	6.27	1.467	***
अनारक्षित वर्ग	50	28.41	7.05		

व्याख्या – तालिका संख्या 2 में आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं के आत्मविश्वास को दर्शाया गया है। तालिका में आरक्षित वर्ग की छात्राओं के आत्मविश्वास का मध्यमान, मानक विचलन 27.92 एवं 6.27 प्राप्त हुआ है जबकि अनारक्षित वर्ग की छात्राओं के आत्मविश्वास का मध्यमान, मानक विचलन क्रमशः 28.41 एवं 7. 05 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रान्तिक अनुपात का मान 1.467 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पष्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं के आत्मविश्वास में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

11. शोध के निष्कर्ष

1. आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग के छात्रों के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
2. आरक्षित वर्ग तथा अनारक्षित वर्ग की छात्राओं के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

12. सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- अशोक (2022), उच्च और निम्न उपलब्धि प्राप्त करने वाले स्कूली छात्रों के बीच आत्मविश्वास के स्तर का एक अध्ययन, शोध पत्र, The International Journal of Indian Psychology ISSN 2348-5396 (Online) | ISSN: 2349-3429 (Print) Volume 10, Issue 2.

- जावेद (2020), छात्रों का आत्मविश्वास और उनकी सीखने की प्रक्रिया पर इसका प्रभाव, शोध पत्र, American International Journal of Social Science Research 5(1):1-15
- रुककुमन (2020), स्कूल के माहौल में छात्रों के आत्मविश्वास पर एक अध्ययन, शोध पत्र, Malaya Journal of Matematik, Vol. S, No. 2, 4752-4754
- रफीक (2021). छात्रों के बीच आत्मविश्वास और उनके अकादमिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव : एक व्यवस्थित समीक्षा, शोध पत्र, IJCRT | Volume 9, Issue 5
- Wahyuningsih, S. K. (2018). Group work to improve classroom interaction, Research and Innovation in Language Learning (2615-4137) Vol. 1(3) 187- 200,

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

SHIKSHA SAMVAD

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed or Refereed Research Journal
ISSN: 2584-0983 (Online) Impact-Factor, RPRI-3.87
Volume-01, Issue-04, June- 2024
www.shikshasamvad.com
Certificate Number-June-2024/28

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

अंशिका एवं डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार

For publication of research paper title

"उच्च माध्यमिक स्तर के आरक्षित वर्ग व अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-01, Issue-04, Month June, Year- 2024, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.shikshasamvad.com